तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, शनिवार, 9 अगस्त, 2025

12 उपायुक्त ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लिया जायजा

12 रक्षाबंधन उत्सव में दिखा परंपरा व भाईचारे का संगम

सहकारी समिति वालों ने नहीं माने सरकार के आदेश, वसूला किराया

निःशुल्क यात्रा के लिए बस अड्डे पर उमड़ी महिलाओं व बच्चों की भीड़, बसों की कमी के चलते यात्री परेशान

हिसार। मुख्य बस स्टेंड पर बस यात्रियों की भीड़। फोटो: हरिभूमि

हिसार। सीट नहीं मिलने पर खड़े होकर सफर करती महिलाएं व अन्य।

रोडवेज बसों की कमी के चलते बस यात्रियों को रही परेशानी, भारी भीड़ के चलते कई महिलाओं को रोडवेज बसों में खड़े होकर सफर करने को मजबूर होना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

■ आज रात 12 बजे तक जारी रहेगी निशुल्क बस यात्रा

प्रदेश सरकार द्वारा रक्षाबंधन पर शुरू की गई निशुल्क बस यात्रा सुविधा शुरू होने के साथ ही बस अड्डे पर महिलाओं की भीड़ उमड़ी। दोपहर 12 बजने के साथ ही बस अड्डे पर अधिकारियों ने घोषणा कर दी कि महिलाओं व उनके साथ 15 साल तक के बच्चों की यात्रा निशुल्क रहेगी। इसके साथ ही रोडवेज की बसों में महिलाओं व उनके साथ आए बच्चे बसों में चढ़ना शुरू हो गए। सरकारी समिति की बसों ने महिलाओं को बिना किराया वसूल बस में बैठाने से मना कर दिया। ऐसे में बस स्टेंड पर महिलाओं की भीड़ बढ़ती चली गई और महिलाओं को रोडवेज बसों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। महिलाओं को करीब एक घंटे तक इंतजार करने के बाद भी बसें नहीं मिल रही थी। शाम के समय दिक्कत ज्यादा बढ़ गई। बता दें कि हिसार डिपो में रोडवेज की 270 तथा हांसी सब डिपो में रोडवेज की 60 बसें अलग-अलग स्थानों के लिए दिनभर आवागमन करती हैं। इनमें से कुछ बसें खराब भी हैं। प्रदेश सरकार ने महिलाओं व उनके साथ 15 साल के बच्चों के लिए निशुल्क यात्रा की घोषणा की है। इसके तहत शुक्रवार दोपहर 12 बजे से शनिवार रात 12 बजे तक यह सुविधा जारी रहेगी। सरकार के निर्णय के अनुसार रक्षाबंधन पर निशुल्क यात्रा का लाभ उठाने वाली महिलाएं रोडवेज की साधारण बसों में राज्य के अलावा चंडीगढ़ और दिल्ली भी जा सकेंगी। रोडवेज महाप्रबंधक राहुल मित्तल ने बताया कि हिसार डिपो व हांसी सब डिपो में महिलाओं व उनके साथ आने-जाने वाले बच्चों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। सबसे बड़ा प्रबंध यही है कि बस सेवा आम दिनों की तरह सुचारू रहे और कोई सेवा बाधित या रद न हो क्योंकि नियमित बसें चलेंगी तो ही महिलाएं व अन्य यात्री सुविधाजनक ढंग से यात्रा कर पाएंगे।

सहकारी समिति वालों ने वसूला किराया

हालांकि रोडवेज की साधारण बसों में सरकार ने महिलाओं व उनके साथ आने वाले बच्चों की यात्रा फ्री कर दी लेकिन सहकारी समिति की बसों में महिलाओं व बच्चों से किराया वसूला गया। हालांकि रोडवेज बस अड्डे पर 12 बजते ही घोषणा की गई कि रोडवेज व सहकारी समिति की बसों में यात्रा फ्री है, लेकिन सहकारी समिति के संचालकों ने इससे इनकार कर दिया और कहा कि वे तो किराया लेंगे, किसी को फ्री लेकर नहीं जाएंगे।

हिसार। मुख्य बस स्टेंड पर बसों का इंतजार करते यात्री। फोटो: हरिभूमि

सेवाएं सुचारू रखने का प्रयास : एसएस

संस्थान प्रबंधक पटेल सिंह ने बताया कि महिलाओं को कोई दिक्कत न आए, इसके लिए हम प्रयासरत है। बस सेवा सुचारू बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा ताकि दोनों दिन महिलाओं, बच्चों व आम यात्रियों को कोई परेशानी न हो।

58वीं जिलास्तरीय हैंडबॉल स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

हिसार। खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण।

हिसार। जिला शिक्षा विभाग हिसार द्वारा आयोजित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा में आयोजित 58वीं जिलास्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17, और अंडर-19 बालक व बालिका वर्ग की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह पर मुख्य अतिथि उप जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विजेंद्र सिंह रहे तथा अध्यक्षता एईओ स्पोर्ट्स कुलदीप मलिक व एईओ राजवीर सिंह ने की। अंडर-14 बालक वर्ग में हिसार प्रथम से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा ने प्रथम, अंडर-17 बालक वर्ग में हिसार प्रथम से एलपीएस धांसू ने प्रथम स्थान, अंडर-19 बालक वर्ग में हिसार प्रथम से एलपीएस धांसू ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर-17 बालिका वर्ग में हिसार प्रथम से राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सातरोड ने प्रथम स्थान हासिल किया।

Scan the QR code to find the nearest Tanishq store

To locate your nearest store and know more on +91 81473 49242 Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions Apply.

शोरूम :- पीएलए मार्किट के सामने, रिलायंस फ्रैश के पास, दिल्ली रोड, हिसार, टेली. 1800 890 6026

भैजा दूज का पर्व

रक्षाबंधन की ही तरह भैया दूज का पर्व भी भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक माना जाता है। इसके पीछे प्रचलित मान्यता के अनुसार बहन की सेवा को देखकर यम बेहद खुश हुए और यमुना से कोई वर मांगने के लिए कहा। इसके बाद यमुना ने उनसे वचन लिया कि हर साल कार्तिक माह के शुक्ल द्वितीया तिथि पर वह मेरे घर आकर भोजन किया करें। यमराज ने भी उन्हें तथास्तु कहते हुए उन्हें तरह-तरह की भेंट भी दी। मान्यता के अनुसार, तभी से भाई दूज के पर्व को मनाने की शुरुआत हुई।

भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व 'सलूमण'

रक्षाबंधन पर्व की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाइयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है। जहां हर अवसर पर हर परिस्थिति में जीवन को सकारात्मक दिशा देने के लिए कार्य करने की परम्परा रही है। यहां मनाया जाने वाला प्रत्येक त्योहार जन-मानस को नया सन्देश देता है। भारतीय त्योहारों की इसी श्रृंखला में श्रावण माह में मनाया जाने वाला पर्व है रक्षाबंधन। इसे श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन न केवल भारत बल्कि मॉरीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के साथ-साथ दुनिया भर में बसने वाले भारतवंशी भी पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं।

भारत की तरह नेपाल में रक्षाबंधन को जनेऊ पूर्णिमा के नाम से संबोधित किया जाता है। इस दिन घर के बड़े लोग अपने से छोटे लोगों के हाथों में एक पवित्र धागा बांधते हैं। राखी के अवसर पर यहां एक खास तरह का सूप पिया जाता है, जिसे कवाती कहा जाता है। इस अवसर पर बहनें अपना प्रेम रक्षा सूत्र के रूप में भाई की कलाई पर बांध कर प्रदर्शित करने के साथ उससे रक्षा का वचन लेती हैं। भाई इस अवसर पर कुछ उपहार देकर भविष्य में संकट की स्थिति में उसकी सहायता करने का वचन देते हैं।

भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक यह त्योहार भारत भर में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में इसे श्रावणी या सलूनो भी कहते हैं। श्रीकृष्ण की लीला स्थली ब्रज में सावन मास में हरियाली तीज यानि श्रावण शुक्ल तृतीया से श्रावणी पूर्णिमा तक यहां के मन्दिरों और घरों में ठाकुर जी को झूले में विराजित किया जाता है। ठाकुर जी यानी श्री कृष्ण का यह झूला-दर्शन श्रावणी पूर्णिमा अर्थात रक्षाबन्धन के दिन समाप्त होता है। उत्तरांचल में रक्षाबंधन को श्रावणी कहते हैं। इस दिन यजुर्वेदी द्विजों का उपनयन कर्म होता है। इस दिन उत्सर्जन, स्नान-विधि, ऋषि-तर्पणादि करके उनको नवीन यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है। इस दिन वृत्तिवान् ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन ही पूर्ण होती है। जबकि राजस्थान में इस दिन रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने की परंपरा है। रामराखी सामान्य राखी से थोड़ी-सी अलग होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है और यह भगवान को ही बांधी जाती है। वहीं चूड़ा राखी भाभियों की चूड़ियों में बांधी जाती है। जोधपुर में राखी के दिन दोपहर में पद्मसर और मिनकानाडी में गोबर, मिट्टी एवं भस्मी से स्नान कर शरीर को शुद्ध किया जाता है, फिर धर्म तथा वेदों के प्रवचनकर्त्ता अरुंधती, गणपति, दुर्गा, गोभिला तथा सप्तर्षियों के दर्भचट अर्थात पूजास्थल बनाकर मन्त्रोच्चारण के साथ उनकी पूजा की जाती है। इसके बाद उनका तर्पण किया जाता है ताकि पितृऋण चुकाया जा सके। फिर घर आकर हवन किया जाता है, वहीं पर रेशम के डोरे से राखी बनायी जाती है तथा उसको कच्चे दूध से अभिमन्त्रित किया जाता है। यह राखी भगवान को अर्पित करने के बाद ही भोजन किया जाता है। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इस पूर्णिमा को कजरी पूर्णिमा के विशेष रूप में मनाने की रीत चली आ रही है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं पेड़ के पत्तों के पात्रों में खेत से मिट्टी भरकर लाती हैं और उनमें जौ को बोया जाता है। जहां ये पात्र रखे जाते हैं, वहां पर चावल के घोल से चित्रकारी भी की जाती है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं इन जौ को सिर पर रखकर जुलूस निकालती हैं और पास के किसी तालाब या नदी में इसे विसर्जित कर देती हैं। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर अपने पुत्र व भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं। उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में रक्षाबंधन को झूलन पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है। साथ ही महिलाएं अपने भाइयों के अच्छे जीवन के लिए उनकी कलाइयों पर राखी बांधती हैं। देश के पूर्वी हिस्से ओडिशा में राखी को गमहा पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घर की गाय और बैलों को सजाते हैं और एक खास तरह का पकवान, जिसे मीठा और पीठा कहा जाता है, बनाते हैं। इस दिन राधा-कृष्ण की प्रतिमा को झूले पर बैठा कर झूलन यात्रा निकाली जाती है। इसी प्रकार गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा में राखी का त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। जल के देवता वरुण को प्रसन्न करने के लिये नारियल अर्पित करने की परम्परा भी है। नारियल की तीन आंखें होने से उसे शिव का प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है। गुजरात के कुछ हिस्सों में रक्षाबंधन को पवित्रोपन के नाम से भी मनाया जाता है। वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे तमिलनाडु तथा केरल के साथ ही देश के विभिन्न भागों में रहने वाले दक्षिण भारतीय ब्राह्मण इस पर्व को अवनि अवित्तम कहते हैं। इस दिन ये यज्ञोपवीतधारी ब्राह्मण नदी या समुद्र के तट पर स्नान करने के बाद ऋषियों का तर्पण करके नया यज्ञोपवीत धारण करते हैं। हरियाणा में भी समस्त उत्तर भारत की तरह ही भाई-बहन का यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इसे यहां सलूमण के नाम से मनाते हैं। सलूमण के त्योहार की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाईयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। जिस तरह से अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है उसी तरह से इस त्योहार को मनाने के पीछे भिन्न-भिन्न कहानियां प्रचलित हैं।

रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई।

ये हैं प्रचलित मान्यताएं

रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई। जब द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था, तब श्रीकृष्ण ने ही उनकी लाज बचाकर सबसे उनकी रक्षा की थी। राखी के सम्बन्ध में एक अन्य मान्यता प्रचलित है। जब महाभारत के युद्ध में युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा कि मैं सारे दुखों से कैसे पार पा सकता हूं, तो कृष्ण कहते हैं कि तुम अपने सभी सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधो, इससे तुम्हारी विजय पक्की है। युधिष्ठिर ऐसा ही करते हैं और उन्हें विजय मिलती है। ये घटना श्रावण माह की पूर्णिमा को हुई थी, इसलिए इसे रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाने लगा और इस दिन सैनिकों को राखी बांधी जाती है। इसी तरह से वामन अवतार से जुड़ी एक कथा के अनुसार राजा बलि बड़े दानी थे और भगवान विष्णु के भक्त थे। एक बार वे भगवान को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ कर रहे थे। अपने भक्त की परीक्षा लेने के लिए भगवान विष्णु एक ब्राह्मण का वेष धारण करके यज्ञ स्थल पर पहुंचे और राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा ने ब्राह्मण की मांग स्वीकार कर ली। ब्राह्मण ने पहले पग में पूरी भूमि और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। राजा बलि समझ गए कि भगवान उनकी परीक्षा ले रहे हैं, इसलिए उन्होंने फौरन ब्राह्मण का तीसरा पग अपने सिर पर रख लिया। उन्होंने कहा कि भगवान अब तो मेरा सबकुछ चला गया है, अब आप मेरी विनती स्वीकार करें और मेरे साथ पाताल में चलकर रहें। भगवान को राजा की बात माननी पड़ी। उधर, मां लक्ष्मी भगवान विष्णु के वापस न लौटने से चिंतित हो उठीं। उन्होंने एक निर्धन महिला का वेष बनाया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांध दी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा तो मां लक्ष्मी फौरन अपने असली रूप में आ गईं और राजा से अपने पति भगवान विष्णु को वापस लौटाने की मांग की। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस भेज दिया। रक्षाबंधन को लेकर इस प्रकार की और भी अनेक कथाएँ भारतीय लोकमानस में कही-सुनी जाती हैं। जिनमें भाई-बहन के प्रेम, रक्षासूत्र और भाई के द्वारा बहन की रक्षा करने संबंधी उल्लेख मिलता है। इस प्रकार की परम्पराएं निसंदेह समाज को नयी दिशा देती हैं और संबंधों में ऊर्जा का संचार करती हैं। आइए, हम सब संकल्प लें कि हम अपनी परम्पराओं को जीवित रखेंगे।

गीत | **भूपसिंह भारती**

सामण

सामण का महीना, और तीजों का त्योहार।
तीज खेलरी सखियां सारी, कर सौला सिंगार।।

चली खेलणे, सखी सहेली,
संग चली सब, नई नवेली,
लाकै मीठी रेली, गावै गीत मल्हार।

पींघ घली, पेड़ों की डारी,
मचकावै ब्याही, और कुंवारी,
झूल झूलरी सारी, बारी बारी ये नार।

रूप रंग पै, चढ़ी जवानी,
सामण की या, रुत मस्तानी,
आग लगावै पानी, सीली बहै बयार।

लाड कोथली, घणी निराली,
शक्करपारे, और सुहाली,
भर भर बांटै थाली, इसा तीज त्यौहार।

तीज खेलकै, बिरवा बोवै,
झाड़ी म्ह ये, गिण गिण पोवै,
रेतां म्ह बी ल्हकोवै, बेटां खातर भंडार।

चोगरदे ये, हुई हरियाली,
घर घर म्ह, आई खुशहाली,
बजा 'भारती' ताली, रिमझिम पड़े फुहार।

कविता | **महेन्द्र सिंह बिलोटिया**

प्रकृति प्रेम

ब्रम्हा जी लगे रचन सृष्टि चारों तरफ निहारें
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा जी न प्रकाश फला कै पुत्र दस पायें थे
भगती में लौ लीन हुए सब न ही यश पायें थे
ब्रम्हा जी लिये देख दक्ष न चिन्ता बस पायें थे
ब्रम्हा जी गये समझ व गुण दक्ष मै ही पायें थे
प्रजापति दक्ष बणा दिया व रहे देखते सारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा विष्णु शिवजी तीनों नेअपने कर्म सम्भाले
एक उत्पति एक पोषक एक संहार करने वाले
वंश बेल की कामवासना व पुर दिये थे जाले
ब्रम्हा जी न ब्रम्हाण्ड सौंप दिया था दक्ष हवाले
देवताओं के राजा बणे व दक्ष ब्रम्हा के प्यारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

सवमभू मनु की दो पुत्री राजा दक्ष न परणाई
एक रानी न चौबीस कन्या अपने गर्भ से जाई
दुजी रानी न सुहाग भाग से साठ कन्या पाई
चौरासी पुत्री हुई दक्ष कै सती शिव न बयाही
सती शिव की शादी में बाजै तीन लोक नगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

कनखल में फेर दक्ष न एक महायज्ञ कराया
उस यज्ञ में भाग लेण न सभी देवता आया
शिव जी से थे रुष्ट दक्ष ना शिव सती बुलाया
महेन्द्र सिंह बिलोट बैठा जिसने भेद बताया
हवन मै जल सती मरी थी समिधा बणी अंगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रतिभा | **घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद स्कीनर ने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से कर दिया था मना**

हांसी का जागीरदार था कर्नल जेम्स स्कीनर

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

अति प्रेरणादायक हस्ती जेम्स स्कीनर अंग्रेज अधिकारी तथा भारतीय माता का पुत्र था। कलकता में 1778 में जन्म लेने वाला जेम्स युवावस्था में पिता की इच्छा के विपरीत अपने शिक्षा संस्थान से भाग गया था। तब उसके पास मात्र 25 पैसे जेब में थे।

कुछ दिनों तक कलकता में भटकने के बाद जेम्स मराठा सेना में भरती हो गया। वहां फ्रांसीसी कमान्डर जनरल पैरो के नेतृत्व में विभिन्न युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे 1796 में बुन्देलखण्ड का युद्ध, चान्दखोरी का युद्ध, मालपुरा में जयपुर राजा के विरुद्ध युद्ध, 1799 में रामपाल राजपूत के विरुद्ध युद्ध आदि। अपने युद्ध कौशल के कारण पैरो ने स्कीनर को एक घुड़सवार दल का कमान्डर बना दिया। लेकिन जनवरी वर्ष 1800 में स्कीनर के पैर में उनियारा युद्ध में गोली लग जाने से उसको पूरी रात घायलों के बीच पड़े रहना पड़ा था। वहीं पर स्कीनर ने ये वादा किया था कि अगर मैं जिन्दा बच गया तो एक चर्च अवश्य बनवाऊंगा। उसने कुछ वर्षों बाद वादे अनुसार दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास चर्च को बनवाया। मराठा सेना में एक घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद उसने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से मना कर दिया। फिर कुछ अन्य साथियों के साथ लार्ड लेक की अंग्रेज सेना में शामिल हो गया।

अंग्रेज सेना में जाने के बाद भी स्कीनर को लगातार युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे मुकन्दरा पास युद्ध, पिन्डारियों के विरुद्ध व भरतपुर युद्ध आदि। तब अंग्रेजों ने स्कीनर को कर्नल तो पदोन्नत किया ही बल्कि उसका रुतबा काफी बढ़ाया। वर्ष 1809 में उसको एक बडे घुड़सवार दल का कमान्डर बनाकर हांसी (हरियाणा) में नियुक्त कर दिया। उसी काल में हांसी में अंग्रेजों ने कैवलरी कैन्ट भी बना दिया था। कुछ समय बाद रेजिडेंट सिटन के अनुरोध से कर्नल जेम्स स्कीनर को हांसी क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। उसके बाद स्कीनर अत्यधिक सम्पन्न हो गया तथा उसके अंग्रेज उच्च अधिकारियों से सीधे सम्बन्ध बनने लगे।

विलियम फ्रेजर और मेवात के नवाब अहमद बक्स से मिलकर उन्होंने हांसी से ही घोड़ों का व्यापार किया। तब स्कीनर ने दिल्ली में एक भव्य कोठी तथा विशाल चर्च का निर्माण करवाया। अति प्रतिभावान स्कीनर ने 1825 में दो ग्रन्थ फारसी भाषा में लिखे थे जो तत्कालीन शासकों एवं विभिन्न जातियों के बारे में हैं। स्कीनर के योगदान से ही 1815 में हिसार में अंग्रेजों ने घोड़ा फार्म स्थापित किया था।

स्कीनर के ग्रन्थों का नाम तजकीरत अल उमरा तथा तसरीह अल अकवाम है जो लन्दन स्थित ब्रिटिश लाइब्रेरी में ही उपलब्ध है। स्कीनर की कई पत्नियां थी, जो सभी भारतीय थी। उनमे से दो के तो हांसी के चार कुतुब में मकबरे भी हैं। भारतीय सेना में भी स्कीनर्स होर्स नाम से एक रिसाला बनाया गया था। उस अद्भुत हस्ती कर्नल जेम्स स्कीनर का 63 वर्ष की आयु में 4 दिसम्बर 1841 को स्वर्गवास हो गया तथा उसको दिल्ली स्थित चर्च परिसर में फ्रेजर की कब्र के साथ दफन कर दिया गया।

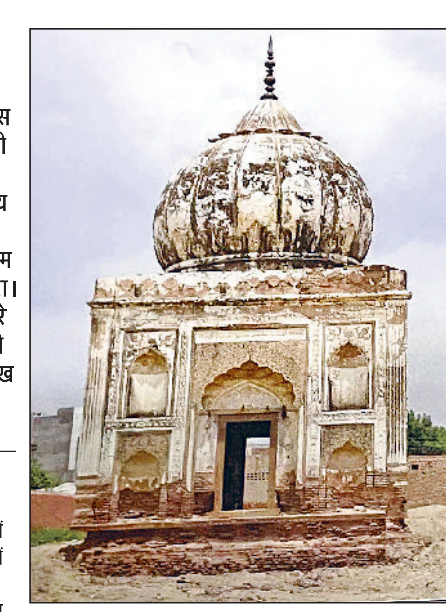

हांसी में स्थित कर्नल जेम्स स्कीनर की कोठी का बाहरी दृश्य तथा दाएं उनकी बेगम का मकबरा। इस मकबरे पर फारसी में शिलालेख भी लिखा हुआ है।

समाज को संस्कृति से जोड़ने में लोक कला अहम : केलापति

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी लेखक व कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कलाओं के हुनर बिखेरकर हरियाणवी संस्कृति को पहचान देते आ रहे हैं। ऐसी ही हरियाणवी कलाकार ने अपने हिंदी और हरियाणवी भाषा में गीतों, कविताओं और भजनों का लेखन करने के साथ अपनी गायन कला और अभिनय के माध्यम से बड़ी पहचान बनाई है। एक शिक्षिका, समाजसेवी, अभिनेत्री और गायक कलाकार केलापति राहीवाल ने हरिभूमि संवाददाता से अपनी लोक कला के सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को सामने रखा, जिसमें लोक कला का समाज को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के प्रति नई दिशा देने में अहम योगदान है।

हरियाणवी लोक कलाकार केलापति राहीवाल का जन्म 01 फरवरी 1962 को हिसार जिले के गांव सरसौद में एक छोटे से किसान परिवार में फकर सिंह व रूकमण देवी के यहां हुआ। उनके पिता खेती-बाड़ी व पशुपालन का काम करते थे। उनकी माता को संगीत व नृत्य के प्रति बहुत लगाव था। हमेशा ही वह सुबह जब सुबह हाथ वाली चक्की से आटा पीसती थी, तो सुंदर गीत और भजन गाती रहती थी। वहीं उस जमाने में गांवों में सभी मौहल्ले और आस पड़ोस की औरतें कुंए से पानी भरने के लिए जाती थी, तब भी उनकी माता गीत गाते हुए चलती थी और वह भी उनके पीछे कुएं पर पहुंच जाती थी, जिसका असर पड़ना स्वाभाविक था। मसलन उन्हें गीत-संगीत की कला मां से विरासत में मिली, तो इसी कारण बचपन से ही उन्हें भी कला संगीत में अभिरुचि पैदा हुई। यही कारण था कि इन्होंने स्कूली शिक्षा के दौरान चौथी कक्षा से ही शनिवार की बालसभा में कविता, गीत और भजन सुनाना भी शुरू कर दिया था। पढ़ाई में भी वह अव्वल रहीं, जिसके कारण शिक्षकगणों का आशीर्वाद मिला और वह भी अपने मन में अध्यापकों के प्रति बहुत मान सम्मान रखती थी। बकौल केलापति, उन्होंने एमए (हिंदी) स्नातकोत्तर की उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ डीएड, प्रभाकर और स्नातकोत्तर शिक्षा कार्यक्रम (पीआरईपी-एनएम) भी किया है। इसके बाद उनकी छह अप्रैल 1988 को हरियाणा शिक्षा विभाग में एक शिक्षक के रूप में नौकरी लग गई। करीब 32 साल तक अध्यापन कार्य करने के बाद 31 जनवरी 2020 में सेवानिवृत्त हुई। शिक्षिका की नौकरी के दौरान उन्होंने जहां अध्यापन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनिंग जैसे शिक्षण कार्य की हरेक गतिविधि में बढ़चढ़कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया, वहीं उन्होंने जनहित के कार्यक्रमों पोलियो अभियान, जनगणना आदि में भी अपना योगदान दिया है।

सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लोक कला के क्षेत्र में विभिन्न विधाओं के साथ सक्रिय होकर अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। दूसरी ओर परिवार में केलापति की जिम्मेदारी बेहद अहम रही, क्योंकि वह अविवाहित हैं और अपने परिवार के साथ ही रहती हैं। उनका परिवार वर्तमान में हिसार में रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

महिला लोक कलाकार केलापति को हाइफा की प्रतियोगिताओं के गीत कॉम्पिटिशन में दो बार प्रथम, एक बार द्वितीय और हाल ही सात्वनां पुरस्कार हासिल किया है। फिल्म अभिनेता और निर्देशक यशपाल शर्मा ने उनकी गायन शैली से प्रभावित होकर उन्हें बहुत मान सम्मान के साथ लेडी लख्मीचंद के नाम दिया है। केलापति को अध्यापन कार्य के दौरान भी राज्य, जिला और खंड स्तर पर अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

अभिनय के रूप में छोड़ी छाप

केलापति राहीवाल ने स्कूल और कॉलेज में शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक मंचों पर भी गीत और भाषण तथा अभिनय के रूप में अपनी कला का प्रदर्शन किया, उन्होंने अधिकांश फिल्मों व वेब सीरीज में दादी का किरदार निभाया है। उनकी विभिन्न विधाओं में कला को हरियाणवी फिल्मों और वेब सीरीज में भी बेहद पसंद किया जाता है। इन्होंने हरियाणवी फिल्म घूंघट, हरियाणा, हरियाणा की बेटी, मां, हरियाणा केसरी, मुआवजा, काला कौन है जैसी फिल्मों में अभिनय के साथ गायन भी निभाया। खुशमिजाज मजाकिया स्वाभाव की कलाकार होने के नाते शूटिंग और सैट पर पूरी टीम उन्हें भरपूर मान-सम्मान देती है। वहीं उनके यूट्यूब चैनल पर खुद के लिखे और गाये गये गीत और भजन भी प्रचलित हैं, जिन्हें खूब पसंद किया जा रहा है।

आधुनिक युग में चुनौती

लोक कलाकार केलापति राहीवाल का कहना है कि आजकल की युवा पीढ़ी को हरियाणवी संस्कृति के प्रति प्रोत्साहन देने की जरूरत है, क्योंकि पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव हमारी भारतीय संस्कृति को दूषित कर रहा है। युवा पीढ़ी को सरकारी स्तर और स्कूल व कॉलेज में सांस्कृतिक रूप से प्रोत्साहन देने की जरूरत है, ताकि उनके भविष्य को सुधारकर उन्हें अपनी संस्कृति और सभ्यता और परंपरा से जोड़ा जा सके।

खबर संक्षेप

वकीलों के प्रतिनिधिमंडल ने देखी लोस की कार्यवाही

हिसार। राष्ट्रीय राजधानी स्थित संसद भवन में चल रहे मानसून सत्र को देखने हिसार बार एसोसिएशन का दूसरा अधिवक्ता प्रतिनिधिमंडल लोकसभा पहुंचा। यह दल उपप्रधान एडवोकेट विकास पूनिया के नेतृत्व में रवाना हुआ। दल में 50 अधिवक्ता शामिल रहे जिनमें 8 महिला अधिवक्ता भी रहीं।

मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करने की जरूरत

हिसार। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा ने कहा है कि वर्तमान में सभी दलों व आम जनता को एकजुटता से मूलभूत सुविधाओं के लिए आवाज उठाने की जरूरत है। फिलहाल शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली व पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं जनता की पहुंच से दूर होती जा रही है जो आम गरीब जनता व मध्यम वर्ग के लिए सही नहीं है।

भारत विकास परिषद मनाएगा स्वतंत्रता दिवस

आदमपुर। भारत विकास परिषद द्वारा हर साल की तरह इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजना कन्या उच्च विद्यालय में किया जाएगा। इस अवसर पर सभी स्कूलों के बच्चे सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम पेश करेंगे तथा परेड का आयोजन किया जाएगा। समाज सेवियों व खेलकूद तथा अन्य गतिविधियों में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों व लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा।।

तिरुपति धाम में गोपुरम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 17 से

हिसार। उत्तर व दक्षिण भारतीय संस्कृति को एकसूत्र में बांधने वाले श्री तिरुपति बालाजी धाम में गोपुरम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 17 से 20 अगस्त तक मनाया जाएगा। दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित 71 फुट ऊंचे, भव्य व नक्काशीदार गोपुरम के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं और दक्षिण भारतीय विधि विधान के अनुसार ही सभी धर्म कार्य किए जाएंगे। 17 अगस्त को श्री मृदाहरण, अंकुरार्पण एवं वास्तुहोम रहेगा।

गुजवि के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग में संगोष्ठी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग में 'बेहतर भविष्य की संभावनाओं के लिए साहित्य एवं संचार कौशल का महत्व' शीर्षक से एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में प्रतिष्ठित संचार विशेषज्ञ प्रोफेसर संजीव चौधरी (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, बिट्स पिलानी) मुख्य वक्ता रहे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सिंगला ने की। प्रो. चौधरी ने साहित्य की कालातीत प्रासंगिकता और आज के वैश्वीकृत विश्व में संचार के उभरते परिदृश्य पर चर्चा करते हुए ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

मोक्ष वृद्धाश्रम में किया चाय पे चर्चा कार्यक्रम आयोजित

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चाय पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन करके बुजुर्गों से मुलाकात की गई। वर्ल्ड सीनियर सिटीजन डे के उपलक्ष्य में आयोजित की गई इस चर्चा के दौरान बुजुर्गों को विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर सीजेएम अशोक कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े कर्मचारी, मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता संधीर, प्रधान विजय भृगु, स्टाफ सदस्य एवं समस्त बुजुर्ग उपस्थित रहे।

'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ पर कार्यक्रम

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनसीसी विभाग की ओर से 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वायु सेना और थल सेना एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में कुलपति के प्रशासनिक सलाहकार प्रोफेसर विनोद छोकर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रोफेसर छोकर ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

एलडीएसडी स्कूल में राखी बनाओ व मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता आयोजित

रक्षाबंधन बहन और भाइयों के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व : सिंगला

हांसी। राखी बनाओ व मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती आरज़ू सिंगला व स्कूल प्राचार्या मंजू सैनी व अन्य।

हिसार। राखी बनाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य पर राखी व मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय सचिव रेनू बंसल व प्रबंधक जय कुमार सिंगला की पुत्रवधू आरज़ू सिंगला ने स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए कहा कि रक्षाबंधन बहन और भाइयों के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व है। पीसीएसडी विद्यालय की प्राचार्या उर्मिला शर्मा ने बच्चों को राखी का महत्व बताया। विद्यालय मुख्याध्यापिका मंजू सैनी ने सभी को रक्षाबंधन की बधाई दी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आयोजित राखी प्रतियोगिता में श्रेया, नक्ष, रियांश, सांची, खुशी, सत्यम, मुस्कान, ध्रुव, ईशा, जय शर्मा व प्रीति ने तथा मेहंदी प्रतियोगिता में हिमानी, लक्ष्मी, दक्ष व सिमरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल में मनाया रक्षाबंधन पर्व

हिसार। महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल के प्रांगण में रक्षाबंधन पर राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरिता शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर दुनिया के सभी भाइयों के कुशल क्षेम की कामना के साथ किया । प्रतियोगिता में पहली कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तरह-तरह की आकर्षक राखी बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। उन्होंने रंग बिरंगे रेशमी धागे, गोटा-लैस, मोरपंख, सीप व मोती आदि का प्रयोग कर मनोहरी राखियां बनाई। प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ-साथ स्कूल के विद्यार्थियों ने बॉर्डर पर तैनात वीर सैनिकों को पत्र के साथ राखियां भेजी। विद्यार्थियों ने इस गतिविधि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्कूल प्राचार्य डॉ.सरिता शर्मा व स्कूल प्रबंधक अजीज प्रधान ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओ को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में संयोजिका पूनम पालीवाल सहित सभी अध्यापक व अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

वेतन न मिलने पर नगर निगम के एचकेआरएन कर्मियों ने दिया धरना

बोले, खाली जेब कैसे मनाएंगे रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पिछले लंबे समय से वेतन न मिलने से गुस्साए नगर निगम के हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएन) के कर्मचारियों ने प्रदर्शन करके धरना दिया। नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले इस प्रदर्शन में तमाम कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। महिलाओं ने कहा कि एक ओर मेयर राखी बंधवाकर पूछता है कि कोई दिक्कत हो तो बताना वहीं दूसरी ओर सैलरी समय पर नहीं डलवाई जा रही। महिलाओं ने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार है घर पर बहन-बेटी आएंगी तो उसके हाथ में क्या देंगे। नगरपालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान सुरेंद्र ने बताया कि जुलाई 31 को पिछली बार सैलरी आई थी। तमाम निगम के सभी कर्मचारी हैं उनकी जुलाई महीने की सैलरी अब नहीं आई है। निगम प्रशासन से बातचीत की मगर आश्वासन ही मिल रहा है। जब तक सैलरी नहीं आएगी हम धरना समाप्त नहीं करेंगे। सफाई कर्मचारी कविता ने बताया कि सुबह ड्यूटी करने के बाद सभी सफाई कर्मचारी 10 बजे नगर निगम में पहुंचे त्योहार से पहले सैलरी देने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया लेकिन मेयर या बड़े अधिकारी ने मौके पर आकर कोई आश्वासन नहीं दिया। लगभग दो घंटे प्रदर्शन करने के बाद महिलाएं मेयर के ऑफिस के पास दरी बिछाकर धरने पर बैठ गई और बोली की जब तक वेतन नहीं मिलेगा, तब तक धरना नहीं उठाएंगे।

किसान सभा ने धरना लगाकर रखी मांगे

आदमपुर। जल भराव से बर्बाद हुई फसलों की स्पेशल गिरदावरी करते हुए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलकर प्रत्येक किसान का नुकसान दर्ज करने, बर्बाद फसलों का 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा व पूरा बीमा, क्षतिग्रस्त मकानों का उचित मुआवजा, दूसरी बार फसल बोने पर उचित मुआवजा देने, नहरों मे दो सप्ताह पानी देने की माग पर किसान सभा ने यहां तहसील परिसर में धरना गाया। धरना की अध्यक्षता तहसील प्रधान कपूर सिंह बगला ने की। तहसील सचिव सतवीर सिंह धायल ने बताया कि आदमपुर तहसील के किसान पिछले 15 दिन से ज्यादा जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं, फसल बर्बाद हो चुकी है और खेतों की ढाणियां गिरने की कगार पर है। तहसीलदार रामनिवास भादू धरनास्थल पर पहुंचे व किसानों का ज्ञापन लिया और समस्याओं का आश्वासन दिया। धरने को तहसील कोषाध्यक्ष रघुबीर सिंह मंडेरना, उपप्रधान मांगेराम गोदारा, गुलाब पूनिया, सतपाल श्योराण, जगदीश पूनिया, अशोक सिंवर, सेवा सिंह चाहर, रविन्द्र खदाव, राजेन्द्र सहारण, सविनय गोदारा आदि मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की टीमों ने की रिहर्सल

- महाबीर स्टेडियम में 15 अगस्त को आयोजित होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार । रिहर्सल करते स्कूली बच्चे एवं उपस्थित अधिकारीगण।

महाबीर स्टेडियम में 15 अगस्त को आयोजित होने वाला स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस को भव्य रूप से मनाने के लिए स्थानीय पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल गंगवा में सांस्कृतिक कार्यक्रमों टीमों द्वारा रिहर्सल आरंभ कर दी गई है। एचएसवीपी की एस्टेट ऑफिसर आंचल भास्कर ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी देशभक्ति और संस्कृति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि रिहर्सल शुरू करने के साथ-साथ विभिन्न विभागों द्वारा भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस अवसर पर डिप्टी डीओ महेंद्र श्योराण, सीडीपीओ सुशीला शर्मा, प्रिंसिपल जयभगवान, डॉ प्रवीण कादियान, कुलदीप नैन, लक्ष्मण श्योराण, मास्टर कुलदीप आजाद, प्रमोद मोर सहित विभिन्न विद्यालयों सांस्कृतिक टीमों के इंचार्ज उपस्थित रहे।

स्व. सत्यपाल मलिक को अर्पित की श्रद्धांजलि

हिसार । सेवानिवृत कर्मचारी संगठन हिसार द्वारा जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर क्रांतिमान पार्क में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता रविदास सभा के प्रधान एसपी चालिया ने की तथा संचालन राजबीर सिंधु ने किया। शोक सभा में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवहन विभाग से सेवानिवृत महाप्रबंधक उदयवीर सिंह दुहन, दिलबाग हुड्डा, किसान नेता शमशेर नम्बदार, महेंद्र सिंह स्याहड़वा व कर्मचारी नेता एमएल सहगल ने कहा कि सत्यपाल मलिक ने अपने जीवनकाल में लोकसभा सांसद, राज्यसभा सदस्य तथा चार प्रदेशों के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दी। शोक सभा में सुरेंद्र मान, दिलबाग चौपड़ा, अशोक मलिक, प्रताप सिंह, रामबीर ढांडा, सतपाल शर्मा, सुरेश कुमार वाल्मीकि, सतबीर सिंह लौरा, रविंद्र दहिया, सुनील ढांडा, सतबीर पुनिया, वजीर लाडवा, बलराज सिंह सहरावत व आदि मौजूद रहे।

रिश्वत लेने के दोषी एएसआई को तीन साल की सजा

10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया

- एक दिन पहले ही दोषी करार दिया गया था, सजा सुनाए जाने के बाद अदालत ने जमानत भी मंजूर कर ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मधुलिका की अदालत ने रिश्वत लेने के आरोपी एएसआई विक्रम सिंह को तीन साल सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। मामले के अनुसार चरखी दादरी सदर थाना में तैनात रहे भिवानी के गांव लोहारी निवासी एएसआई विक्रम सिंह को यह सजा सुनाई गई है। उसे एक दिन पहले ही दोषी करार दिया गया था। सजा सुनाए जाने के बाद अदालत ने उसकी जमानत भी मंजूर कर ली।

25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार था किया

अदालत में चले मामले के अनुसार सतर्कता विभाग की टीम ने एएसआई विक्रम पर 29 अप्रैल 2022 को केस दर्ज किया था। इस संबंध में दी गई शिकायत में चरखी गांव निवासी सुनील कुमार ने कहा था कि उसके भाई सुरेन्द्र का झगड़ा हुआ था और चरखी दादरी के सदर थाने में उसके खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इस मामले में एएसआई विक्रम ने कहा कि अपने भाई सुरेन्द्र को पेश करो। वह भाई सुरेन्द्र को सदर थाने में लेकर गया और उसे एएसआई विक्रम के सामने पेश कर दिया। तब एएसआई विक्रम ने दबाव बनाते हुए कहा कि खर्चा-पानी देना पड़ेगा। शिकायतकर्ता ने मजबूरी में पांच हजार रुपए देने की हामी भर दी। तब एएसआई विक्रम ने कहा कि इससे काम नहीं चलेगा, 25 हजार रुपए देने पड़ेंगे वर्ना उसके भाई का पुलिस रिमांड लूंगा तथा केस को मजबूत बना दूंगा।

इसी शिकायत पर सतर्कता विभाग की टीम ने शिकायत मिलने पर छापामार टीम गठित की थी। उसके बाद शिकायतकर्ता ने चरखी दादरी सदर थाने के बाहर पहुंचकर एएसआई विक्रम को 25 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर 16 लाख की ठगी

- मामले में एक आरोपी काबू, पांच दिन के पुलिस रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आज़ाद नगर थाना पुलिस ने फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश कर उच्च लाभ देने का झांसा देकर 16 लाख की ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोहतक निवासी वीरेन्द्र बल्हारा के रूप में हुई है। इस मामले में शिकायतकर्ता आजाद नगर निवासी प्रीतम सिंह ने आज़ाद नगर थाना में शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार आरोपियों रोहतक निवासी वीरेंद्र बल्हारा, हांसी के ढाणी कुम्हाराना निवासी बिशम्बर सैनी व हांसी की गांधी कॉलोनी निवासी जतिन कुमार ने अपने परिचित होने का विश्वास दिलाते हुए एलीट ट्रेड वार्ड नामक कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। उच्च लाभ का लालच देकर शिकायतकर्ता से विभिन्न तिथियों में कुल 16 लाख की राशि ली गई। प्रारंभ में लाभ के रूप में 71 हजार 529 रुपये लौटाए गए। इसके बाद कोई भुगतान नहीं किया गया। जब शिकायतकर्ता ने राशि वापसी की मांग की तो उसे धमकियां दी गईं।

मामले में जांच अधिकारी उप निरीक्षक मेनपाल ने बताया कि पुलिस ने शिकायत पर इस वर्ष 31 जनवरी को केस दर्ज किया।

आनंद स्कूल में आज़ादी के परवाने पर्व व रक्षाबंधन समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। रक्षाबंधन पर्व पर अपने सहपाठी भाई की कलाई पर राखी बांधती छात्रा।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में शुक्रवार सुबह आज़ादी के परवाने पर्व, रक्षाबंधन उत्सव तथा विश्व संस्कृत दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य नितीश मिश्र के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने बच्चों को रक्षाबंधन के महत्व को बताते हुए कहा कि यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के वचन का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने श्रावण मास अर्थात पढ़ने व पढ़ाने तथा सुनने और सुनाने के महीने को सावन मास की संज्ञा देते हुए इसके धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राखी बनाने, हिंदी और अंग्रेजी निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगी राखियां और भावपूर्ण निबंध देखकर सभी उपस्थित लोग प्रभावित हुए। समारोह के अंत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों गीत, कविताएं और देशभक्ति कार्यक्रम ने वातावरण को प्रेम, भाईचारे और देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर स्कूल निदेशक साहिल यादव एवं उप प्रधानाचार्या गीता यादव, प्राथमिक प्रभारी प्रोमिला यादव स्कूल स्टाफ सहित स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे।

हिसार। सफल सर्जरी के बाद चिकित्सकों की टीम के साथ मरीज सावित्री।

रीढ़ की गंभीर बीमारी से जूझ रही मरीज को मिला नया जीवन

हिसार। सर्वोदय मल्टी स्पेशलिटी एवं कैंसर हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. मोहित जिंदल ने एक अत्यंत जटिल और संवेदनशील ऑपरेशन कर रीढ़ की गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज को नया जीवन दिया। सावित्री नामक महिला मरीज लंबे समय से कमर और पैरों में तीव्र दर्द, पैरों में सुन्नपन, चलने-फिरने में कठिनाई और खड़े होने में असमर्थता जैसी समस्याओं से परेशान थीं। हालात इतने बिगड़ गए कि उन्हें पेशाब उतरने में भी कठिनाई होने लगी थी और पेशाब करने में जोर लगाना पड़ रहा था। एमआरआई जांच में पता चला कि रीढ़ की हड्डी के पीछे की तरफ हड्डी का आकार बढ़ गया था और मणकों के खिसकने से नसों पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा था। स्थिति गंभीर होने के कारण तुरंत ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। डॉ. मोहित जिंदल ने पीछे की ओर से रीढ़ की हड्डी का हिस्सा सावधानीपूर्वक काटकर नसों पर से दबाव हटाया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही। मरीज सावित्री ने अपने सफल इलाज के लिए डॉ. मोहित जिंदल और सर्वोदय मल्टी स्पेशलिटी एवं कैंसर हॉस्पिटल की पूरी टीम का आभार जताया।

अभियान एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत किया पौधरोपण

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों, शिक्षकों व विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया

अभियान के माध्यम से हम माताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व सम्मान प्रकट करते हैं : ऋतु

- विद्यार्थियों ने भी स्कूल प्रांगण में अपनी मां के नाम से पेड़ लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। अपनी मां हेमलता के नाम का पौधा लगाते नकुल व रजत अग्रवाल।

हांसी। अपनी मां रत्नी के नाम का पौधा लगाते स्कूल प्रबंधक सज्जन अग्रवाल।

एसडी मॉडर्न पब्लिक विद्यालय के परिसर में शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों, शिक्षकों व विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। इस अवसर पर स्वर्गीय रत्नी देवी अग्रवाल और स्वर्गीय हेमलता अग्रवाल की पुण्य स्मृति में प्रबंधन समिति के प्रधान सज्जन कुमार अग्रवाल, मैनेजर नकुल अग्रवाल और सचिव रजत अग्रवाल, कैशियर चंद्रभान गर्ग व सदस्य ईश्वर सिंह द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। वहीं विद्यार्थियों ने भी स्कूल प्रांगण में अपनी मां के नाम से पेड़ लगाए।

विद्यालय परिवार को बधाई दी

प्रधानाचार्या ऋतु सिंह ने कहा कि माताएं हमारे जीवन की आधारशिला हैं। इस अभियान के माध्यम से हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करते हैं। इस अवसर पर एसडी कन्या विद्यालय प्राचार्या रेनू बंसल, उप प्राचार्य महेंद्र सिंह व मिडिल विंग इंचार्ज पवन बंसल सहित स्कूल स्टाफ के सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक समिति के प्रधान सज्जन अग्रवाल, मैनेजर नकुल अग्रवाल, कैशियर चंद्रभान गर्ग व सेक्रेटरी रजत अग्रवाल ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार को बधाई दी।

सूचना

मैं, शीला विधवा श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री महासिंह निवासी मकान नं. 136-पी, सूरजमल एन्कलेव, हिसार, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरा पुत्र विनय मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, कुलबीर पुत्र श्री बारू राम निवासी मिलकपुर, तहसील नारनौंद, जिला हिसार बयान करता हूं कि मेरा पुत्र नवदीप मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

पुलिस ने ई-रिक्शा व ऑटो चालकों से की बैठक

हांसी। ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने शुक्रवार को ट्रैफिक पुलिस पोस्ट बस स्टैंड पर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों के साथ बैठक की। ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने ई-रिक्शा व ऑटो चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और यूनिक आईडी बनवाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन ई-रिक्शा एवं ऑटो वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं लगी है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर अपने ई रिक्शा या ऑटो की यूनिक आईडी बनवाना अनिवार्य है।

लोटस इंटरनेशनल स्कूल में रही रक्षाबंधन की धूम

उकलाना। लोटस इंटरनेशनल स्कूल में रक्षाबंधन का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधी और मिठाई व चॉकलेट खिलाकर उनका मुंह मीठा करवाया। इसी के साथ नोटिस बोर्ड डेकोरेशन के अंदर ब्लू लोटस ने नोटिस बोर्ड को बहुत ही सुंदर ढंग से सुसज्जित किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस मौके पर बच्चों ने स्कूल चेयरमैन महेंद्र कुनर और प्रिंसिपल आरती कुनर को भी राखी बांधी।

आरडीएम में बच्चों ने प्रकृति के साथ मनाया रक्षाबंधन

उकलाना। आरडीएम स्कूल के प्ले स्कूल के नन्हें बच्चों ने 'रक्षाबंधन' का त्योहार बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने पेड़ों और पौधों को राखी बांधकर पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया और मानव और प्रकृति के बीच बंधन का प्रतीक बनाया।

प्रदर्शन करके एसडीएम बरवाला को सौंपा ज्ञापन

बरवाला। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लोकल कमेटी ने एसडीएम कार्यालय बरवाला पर एक दिन का धरना लगाया और प्रदर्शन किया। इसके बाद क्षेत्र की लोकल समस्याओं तथा राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस धरने प्रदर्शन की अध्यक्षता मजदूर नेता मिंया सिंह बिठमडा.ने की ओर संचालन रोहताश राजली ने किया।

मनोज खरब बने असेंबली प्रधान

नारनौंद। आम आदमी पार्टी के नारनौंद हलके से जुड़े कार्यकर्ताओं की बैठक पार्टी के कार्यालय प्रांगण में हुई। इसमें पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रणबीर लोहान,जिला अध्यक्ष राजेंद्र सोरखी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष लोहान ने नारनौद हलके की कार्यकारिणी घोषणा करते हुए बताया कि मनोज खरब को असेंबली प्रधान, धर्मवीर बूरा, अरुण तिवारी, अजीत लोहान को उपप्रधान, रोहतास लोहान, सुभाष, रूद्र शर्मा को सचिव बनाया गया है।

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र कल

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में 10 अगस्त को ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय ने बताया कि प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलने वाले इस ध्यान सत्र में साधकों को ध्यान की सरल विधियों से परिचय करवाते हुए उनका अभ्यास करवाया जाएगा, इसके साथ ही ध्यान के महत्व को भी समझाया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने मेयर पोपली को सौंपा ज्ञापन

हिसार। गांव सातरोड ख़ास के दलित-पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम में मेयर से मुलाकात कर डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन के निर्माण की मांग पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बसपा के वरिष्ठ नेता पवन बलराज सातरोड ने किया।

'फंडामेंटल ऑफ़ कंप्यूटर' पर दी जानकारी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम (एसआईपी) के पांचवें दिन विद्यार्थियों को नया ज्ञान और प्रेरणा दी गई। दिन की शुरुआत हार्टरो के डायरेक्टर भारत भूषण द्वारा 'फंडामेंटल ऑफ़ कंप्यूटर' विषय पर गहन जानकारी देने से हुई। विद्यार्थियों को कंप्यूटर तकनीकी को इस्तेमाल करने के गुरु सिखाए।

उपायुक्त ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लिया जायजा

जल निकासी, बिजली आपूर्ति और अन्य जरूरी प्रबंधों के संबंध में पंप सेट लगाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी/नारनौंद

हांसी। जल भराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते डीसी अनीश यादव

जिला उपायुक्त अनीश यादव ने शुक्रवार को हांसी और नारनौंद उपमंडल के जल भराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बिजली, सिंचाई, विकास एवं पंचायत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रभावित गांवों में पहुंचकर किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। दौरे के दौरान जिला उपायुक्त ने बास, पेटवाड़, थुराना कुम्भा, मेहंदा, ढाणी मेहंदा, गढ़ी सहित जिला के अन्य बरसाती पानी से प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल निकासी, बिजली आपूर्ति और अन्य जरूरी प्रबंधों के संबंध में अतिरिक्त इलेक्ट्रिक पंप सेट लगाने के स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। वहीं ढाणी मेहंदा गांव में बरसाती पानी की निकासी के स्थायी प्रबंध करने के उद्देश्य से तीन इलेक्ट्रिक पंप सेट स्थापित करने के आदेश दिए। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों से कहा कि आवश्यक बिजली कनेक्शन अविलंब उपलब्ध कराए जाएं ताकि पंप सेट शीघ्र चालू हो सकें। इस अवसर पर जिला उपायुक्त अनीश यादव ने हांसी तथा नारनौंद उपमंडल के एसडीएम को जल भराव प्रभावित क्षेत्रों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र जिला मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए ताकि आगामी कार्रवाई को तेजी से पूरा किया जा सके। डीसी ने ढाणी मेहंदा में तुरंत पंप सेट लगाने के दिए निर्देश जल भराव क्षेत्रों का निरीक्षण दौरा करते ढाणी मेहंदा पहुंचे डीसी अनीश यादव ने ग्रामीणों की मांग पर जल निकासी के लिए तुरंत पंप सेट लगाने के निर्देश दिए। डीसी द्वारा दिए गए आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम राजेश खोथ उसी वक्त किसानों के साथ खेतों में पहुंचे। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से आज शाम तक पंप सेट को स्थापित कर चालू करवाना सुनिश्चित करें।

डीसी ने ग्रामीणों व किसानों से किया संवाद

निरीक्षण दौरे के दौरान डीसी अनीश यादव ने ग्रामीण तथा किसानों से बातचीत की। किसानों ने बताया कि प्रशासन द्वारा बरसाती पानी निकासी के लिए प्रबंध किए गए हैं। लेकिन साथ ही कहा कि जल निकासी की प्रक्रिया को और तेज किया जाए। इस पर डीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की मांग के अनुरूप जल निकासी के लिए पंप सेट लगवाएं तथा अन्य प्रबंध कर जल्द से जल्द किसानों को जल भराव से निजात दिलाएं और बिजली के कनेक्शन भी साथ-साथ करवाए जाए। उन्होंने थुराना गांव में पेट्रोल पंप के निकट पंप सेट लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान हांसी एसडीएम राजेश खोथ व नारनौंद एसडीएम विकास यादव सहित दोनों उपमंडलों से विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्री काली देवी विद्या मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

हांसी। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे

हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व एवं विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर भारतीय परंपरा की गरिमा और भाई-बहन के स्नेह की मधुर भावना से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में मनमोहक नृत्य, मधुर गायन, भावपूर्ण कविता वाचन और प्रेरक विचार प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विद्यालय प्राचार्या गीता महता ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और सांस्कृतिक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में न केवल भारतीय संस्कृति और मातृभाषा के प्रति गर्व की भावना जगाते हैं, बल्कि संस्कृति के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

यस्वी, जिया, भाविका व सोफिया ने बनाई सबसे सुंदर राखियां

हांसी। बच्चों में निहित आंतरिक गुणों को विकसित करने व अपनी संस्कृति से प्रेरित होने के लिए रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में आरपीएस पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तीसरी से आठवी कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी राखियां बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाया। निर्णायक मंडल द्वारा सभी रंग-बिरंगी राखियों का सूक्ष्म विश्लेषण करके विजेता घोषित किए। राखी बनाओ प्रतियोगिता में तीसरी कक्षा में यस्वी ने प्रथम, दीक्षा ने द्वितीय व वंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छठी कक्षा की छात्रा जिया की राखी को प्रथम, नमन व सानवी की राखी को द्वितीय व प्रियांशी की राखी को तृतीय स्थान मिला। वहीं सातवी कक्षा में भाविका को प्रथम, प्रतीक को द्वितीय व मयंक की राखी को तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्कूल की छात्राओं ने एसडीएम को बांधी राखी

हांसी। एसडीएम राजेश खोथ के साथ बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल की छात्राएं व स्कूल प्राचार्या बबली चावला

हांसी। बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल के छात्राओं की एक टीम, प्राचार्या लवली चावला एवं शिक्षकों के साथ रक्षाबंधन उपलक्ष्य में एसडीएम राजेश खोथ के कार्यालय पहुंची। इस अवसर पर दूसरी कक्षा की छात्रा नेहाल, तीसरी कक्षा की भावार्थ और रीत, पांचवी से बंदना व छठी कक्षा की बाणी और मायरा तथा बारहवीं कक्षा में मोनिका व अंजलि ने एसडीएम राजेश खोथ को तिलक लगाकर हस्तनिर्मित राखियां बांधी। इस अवसर पर छात्राओं और एसडीएम के बीच हुए संवाद अत्यंत प्रेरणादायक रहें। इस अवसर पर एसडीएम राजेश खोथ द्वारा पुछे गए प्रश्नों का छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक दिया गया। इस अवसर विद्यालय प्रधानाचार्या लवली चावला ने कहा कि एसडीएम कार्यालय का भ्रमण और एसडीएम को राखी बांधने का अवसर सभी के मन में गहरी छाप छोड़ गया।

हकृवि ने ग्लोबल एग्रो साइंस प्राइवेट लिमिटेड, बिहार के साथ किया समझौता

किसानों तक उच्च गुणवत्तायुक्त बीज पहुंचाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। समझौता ज्ञापन के दौरान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एवं अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मक्का की उच्च गुणवत्ता युक्त उन्नत हाईब्रिड किस्म एचक्यूपीएम-29 का ग्लोबल एग्रो साइंस प्राइवेट लिमिटेड पटना (बिहार) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों का बीज ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे इसके लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एचक्यूपीएम-29 का बीज तैयार करके ग्लोबल एग्रो साइंस प्राइवेट लिमिटेड किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें उन्नत किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में भी इजाफा हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एसके पाहुजा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

श्री सनातन धर्म कन्या विद्यालय में रक्षाबंधन पर प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। रक्षाबंधन पर्व पर छात्राओं द्वारा बनाई गई राखियां।

श्री सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर प्रातः कालीन सभा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा सबको भाई-बहन के प्रेम से अवगत कराया। इसके साथ-साथ विद्यालय में कक्षा पहली से पांचवी तक के विद्यार्थियों के लिए राखी बनाओ तथा नौवीं से 12वीं तक की छात्राओं के लिए रंगोली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्या रेणु बंसल ने अपने संबोधन में रक्षाबंधन के पवित्र त्यौहार के महत्व को बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन सावन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। बच्चों ने रंग बिरंगी व आकर्षक राखियों का निर्माण कर अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया। विद्यालय संरक्षक सज्जन कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष प्रीतम कुमार गोयल, प्रबंधक रजत कुमार अग्रवाल, उपसचिव लक्ष्मीकांत गोयल, प्रबंधक समिति के सदस्य चंद्रभान गर्ग, नकुल कुमार अग्रवाल ने सभी छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी।

रक्षाबंधन उत्सव में दिखा परंपरा व भाईचारे का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। रक्षाबंधन पर्व पर स्कूल प्रिंसिपल सुनील कुमार सहपाठियों को राखी बांधती स्कूल छात्रा

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के प्रांगण में भाई-बहन के प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक की छात्राओं ने अपने सहपाठी भाइयों को राखी बांधी, आरती उतारी और भाइयों ने उपहार स्वरूप चॉकलेट देकर रिश्ते की मिठास को गहरा किया। इस अवसर पर छात्राओं ने विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार एवं डीन नौरंग लाल को भी राखी बांधकर भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने राखी बनाओ, ड्रॉइंग, रंगोली, भाषण, निबंध और नृत्य जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राखी बनाओ प्रतियोगिता में तीसरी कक्षा से अंशिका व माही ने प्रथम, प्रियांशी, ओविया ने द्वितीय और भारती व हंसिका ने तृतीय प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में रितिका व अनीता (आठवीं) प्रथम, मानसी व रिया (सातवीं) तथा पुनीत व जतिन (छठी) द्वितीय, जबकि अनीश, सचिन, रचित और देवेन (आठवीं) तृतीय स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में पांचवीं कक्षा से रितिका और अक्षज प्रथम, निसार द्वितीय तथा अक्षिता तृतीय रही; चौथी कक्षा से परीक्षिता प्रथम, अदिति द्वितीय तथा नव्या और जया तृतीय स्थान पर रहे; तीसरी कक्षा से याशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्षाबंधन हमारी संस्कृति का उज्ज्वल प्रतीक है, जो भाई-बहन के रिश्ते को प्रेम, सुरक्षा और विश्वास के सूत्र में पिरोता है।

अपहरण मामले में आरोपी काबू

नारनौंद। थाना नारनौंद पुलिस ने अपहरण मामले में आरोपित सचिन व मन्जीत निवासी पिंजोखरा जिला भिवानी को गिरफ्तार किया गया है। थाना नारनौंद में तैनात एसआई जयसिंह ने बताया कि आरोपितों ने 11 जुलाई की रात को गांव पेटवाड़ से एक महिला का अपहरण कर लिया था। थाना नारनौंद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए महिला को 14 घंटे में ही बरामद कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने पहले ही दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी व एक अवैध हथियार देशी कट्टा को बरामद कर कब्जा पुलिस में लिया गया है। आरोपियों बाद पुलिस रिमांड न्यायालय में पेश कर के जेल भेज दिया।